27

22 AUG 2019

दृष्टि The Vision

drishti

# ESSAY

| |
|---|
| निर्धारित समयः तीन घंटे<br>*Time allowed: Three Hours* |

**DTVF/19(JS)–ESY-E2**

| |
|---|
| *अधिकतम अंक: 250*<br>*Maximum Marks: 250* |

**Name:** Sandeep Kumar Patel **Mobile Number:** ____________

**Medium (English/Hindi):** हिन्दी **Reg. Number:** AWAKE-19/C-001

**Center & Date:** 20/08/19 (Delhi) **UPSC Roll No.** ***(If allotted)*:** 0867996

**प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश**

**(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)**

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिये।

**QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS**

**(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)**

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

| | निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.) | अंक (Marks) |
|---|---|---|
| खंड-A Section-A | | |
| खंड-B Section-B | | |
| सकल योग (Grand Total) | | |

मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)
*Evaluator (Signature)*

पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)
*Reviewer (Signature)*

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

## खंड-A / SECTION -A

1. तन के भूगोल से परे एक स्त्री के मन की गाँठें खोलकर कभी पढ़ा है तुमने।

Have you ever looked beyond a woman's body to understand the complexities of her mind.

2. अंतरिक्ष पर शोध : निरर्थक प्रयास या अवसरों का पुंज।

Space research : Futile efforts or a beam of opportunities.

3. प्रकृति की अनदेखी विनाश का आमंत्रण-पत्र है।

Ignorance towards nature is an invitation to catastrophe.

4. समावेशी विकास संभव है, बशर्ते प्रतिस्पर्द्धा संघर्ष न बने।

Inclusive development is possible, provided that competitions do not become a struggle.

*

समावेशी विकास संभव है, बशर्ते प्रतिस्पर्द्धा संघर्ष न बने।

आज दुनिया अंतर्विरोधों से भरी पड़ी है और यह विरोधाभास आर्थिक समस्याओं के रूप में भी दिखता है। यह लगातार देखा जाता है कि एक तरफ कुछ देश प्रकृति के संसाधनों का



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अधिकांश भाग प्रयोग कर विकसित बन गये तो कुछ अभी भी विकास की रेस में पीछे रह गये। एक तरफ अमीर लगातार अमीर हो रहा है तो दूसरी तरफ लगभग एक चौथाई जनसंख्या के पास जीवनयापन की बुनियादी जरूरतें भी पूरी नहीं होती हैं। कोई भूखा है तो कोई खाना बर्बाद कर रहा है। ऐसे में प्रश्न उठना वाजिब है कि आखिर विकास का कौन सा मॉडल हो? तब ध्यान में आता है कि हमें समावेशी विकास की जरूरत है।

विकास की रेस में प्रायः कुछ लोग, समूह, समाज किसी प्राकृतिक, सामाजिक या स्वैच्छिक कारण से पीछे छूट जाते हैं, ऐसे लोगों को पुनः प्रगति



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

के पथ पर लौटाना समावेशी विकास कहलाता है। पिछले एक दशक से यह शब्द प्रायः अर्थव्यवस्था एवं नीतिगत मामलों में सामने बना रहता है। किंतु समावेशी विकास की पहल कोई नयी बात नहीं है।

समाजवाद की अवधारणा में ~~सब~~ सभी के लिये समानता की बात स्वीकार की जाती है एवं आर्थिक स्तर पर समाजवाद में समावेशी विकास भी निहित होता है। भारत के संदर्भ में देखें तो अनुच्छेद 14, 15, 19, 21, 38, 39 आदि में किसी न किसी रूप में समावेशी विकास की परिकल्पना की गई है। किंतु एक अवधारणा के तौर पर इसे सर्वप्रथम 12 वीं पंचवर्षीय योजना में शामिल किया गया था।

इसके अलावा संयुक्त राष्ट्र के



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

विभिन्न संस्थाओं, सतत विकास लक्ष्यों आदि में समावेशी विकास की परिकल्पना की गई है।

ध्यातव्य है कि समावेशी विकास के कई आयाम हैं। आर्थिक स्तर पर वंचित वर्गों, पहाड़ी क्षेत्रों, गरिब इलाकों आदि के व्यक्तियों को अर्थव्यवस्था की मुख्य धारा में लाना आर्थिक समावेशन कहलाता है। इसके लिये राष्ट्रीय स्तर पर बहुआयामी प्रयास जैसे रोजगार सृजन, कौशल विकास, अवसंरचना निर्माण किया जाता है। भारत ने 'आकांक्षी जिला कार्यक्रम' इसी के लिये चालू किया था जिसके अंतर्गत शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास आदि पर फोकस किया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक समावेशन संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों से

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

किया जा रहा है। स्पष्ट है कि सतत विकास लक्ष्यों का एक उद्देश्य समावेशी विकास भी है। विश्व व्यापार संगठन की विभिन्न वार्ताओं में अल्प विकसित देशों के प्रति छूट का प्रावधान किया गया ताकि उनके उत्पादों को प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके। खाद्य एवं कृषि संगठन पूरे विश्व में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करता है इसी प्रकार अनेक अंतर्राष्ट्रीय संगठन आर्थिक समावेशन की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

समावेशी विकास का एक अन्य पहलू सामाजिक समावेशन से भी जुड़ता है। 'वाल्टर बेजहॉट' के अनुसार, कुछ समाजों को विचार एवं चिंतन की शक्ति मिली जिससे वे आगे बढ़ सके। किंतु कुछ समाज पीछे रह जाते हैं।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इसके अलावा नृजातीयता, नस्लीय भेदभाव, जातीयता आदि नकारात्मक कारणों से सामाजिक विषमता की स्थिति उत्पन्न हुई है अतः सामाजिक समावेशन अत्यंत महत्वपूर्ण है।

व्यवहार में परिवर्तन एवं शिक्षा, जागरूकता में वृद्धि के द्वारा सामाजिक समावेशन को बढ़ाया जा सकता है।

समावेशी विकास के लिये सांस्कृतिक रूप से पिछड़े वर्गों जैसे जनजाति, पहाड़ी क्षेत्रों आदि समूहों को साथ लाना जरूरी होता है। इसके लिये अनेक प्रयास किये जाते हैं। बाध्यकारी संपर्क, उत्सवों का आयोजन आदि से सांस्कृतिक सद्भाव बढ़ाया जा सकता है।

राजनीतिक रूप से पिछड़े वर्गों


Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

को उचित प्रतिनिधित्व देकर समावेशी विकास की धारा में लाया जाता है।

देश में समावेशी विकास को नई दिशा देने के लिये सहकारी संघवाद प्रभावी कदम है जिसके द्वारा सभी राज्य आपस में प्रतिस्पर्द्धा करके एवं सहयोग की भावना से विकास की राह में आगे बढ़ते हैं।

गौरतलब है कि समावेशी विकास के लिये शिक्षा, रोजगार सृजन, कौशल विकास एवं प्रतिनिधित्व प्रदान करना महत्वपूर्ण है। इन क्षेत्रों में कार्य करके वंचित एवं पिछड़े वर्गों को प्रतिस्पर्द्धी बनाया जा सकेगा जो विकास एवं प्रगति के लिये महत्वपूर्ण है।

यहाँ ध्यान देने योग्य बात यह है कि जब समावेशी विकास के लिये प्रयास किये जाते हैं तो प्रतिस्पर्द्धा संघर्ष न बने

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अन्यथा उल्टा परिणाम होता है। दरअसल आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक विषमता अलगाव को जन्म देती है; प्रतिस्पर्द्धा के स्थान पर जब विभिन्न राज्य संघर्ष की स्थिति में आ जाते हैं तो सहकारी संघवाद की अवधारणा विकृत हो जाती है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्राय: यह देखा जाता है कि विश्व व्यापार संगठन के मंच पर विकसित बनाम विकासशील देशों का संघर्ष होता है। वहीं अमीर बनाम गरीब, शक्तिशाली बनाम शक्तिहीन का संघर्ष समावेशी विकास की दिशा में बाधा है।

चूँकि वंचित समूहों को समान स्तर पर लाने एवं प्रतिस्पर्द्धी बनाने के लिये छूट, वरीयता एवं आरक्षण आदि दिया जाता है किंतु कुछ वर्गों द्वारा इस वजह से संघर्ष शुरू कर दिया


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जाता है। उदाहरण के लिये विकसित देशों द्वारा विरोध या अल्पविकसित देशों द्वारा लामबंदी। ऐसे कदम विकास की राह में बाधक होते हैं।

इसका प्रभाव व्यापक रूप से नकारात्मक होता है। विकास एवं वृद्धि पर तो उल्टा प्रभाव होता ही है साथ में संसाधनों का अपव्यय, पर्यावरण क्षरण भी होता है। एक प्रसिद्ध विद्वान के अनुसार, 'कहीं पर भी गरीबी सभी जगह के लिये खतरा है।' अतः यदि समावेशी विकास संभव नहीं होता है तो प्रगति संधारणीय नहीं होती है। आर्थिक सिद्धांतो के अनुसार भी जब गरीब वर्ग की आय बढ़ती है तो उत्पादकता एवं संवृद्धि में अप्रत्याशित वृद्धि होती है।

किंतु प्रतिस्पर्द्धा के स्थान पर



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

संसाधनों का संघर्ष, गरीबों को और गरीबी में ढकेल देता है फलत: समावेशी एवं संधारणीय विकास का लक्ष्य प्राप्त नहीं हो पाता है।

अत:, यह आवश्यक है कि यदि समावेशी विकास हासिल करना है तो विकसित आगे बढ़कर वंचितों, पिछड़ों को प्रोत्साहित करे, मौका दे एवं प्रतिनिधित्व प्रदान करे। सतत विकास लक्ष्यों जैसे - शिक्षा, गरीबी, भूख, समानता, स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सामाजिक पूँजी एवं अवसंरचना, ऊर्जा, रोजगार एवं कौशल विकास के माध्यम से तथा निजी निवेश में वृद्धि कर समावेशी विकास को सुनिश्चित किया जा सकता है। इसके लिये यह नितांत आवश्यक है कि प्रतिस्पर्द्धात्मक

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

माहौल तैयार किया जाये न कि
प्रतिक्रियात्मक ।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)





Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख[illegible] चाहिये।
(Candidate must n[illegible] write on this marg[illegible]

## खंड–B / SECTION –B

1. युद्ध के लिये तैयार रहना शांति को संरक्षित करने का सबसे प्रभावी उपाय है।

To be prepared for war is the most effective means of preserving peace.

2. समस्याग्रस्त विश्व के लिये गांधीवादी विचारधारा की प्रासंगिकता।

The relevance of Gandhian Ideology in the problem laden world.

3. सामाजिक एवं क्षेत्रीय न्याय की कमज़ोरियाँ संपन्न समाजों के अंतर्विरोधों को प्रत्यक्ष संघर्ष के रूप में प्रस्तुत कर सकती हैं।

The weaknesses in social and regional justice can bring forward contradictions of affluent societies in form of direct struggle.

4. नैतिकता स्वयं अपना ही पुरस्कार है।

Morality is its own reward.



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

## * समस्याग्रस्त विश्व के लिये गांधीवादी विचारधारा की प्रासंगिकता *

" प्रकृति के पास हमारी जरूरतों को पूरा करने के लिये पर्याप्त संसाधन हैं किंतु हमारे लालच के लिये नहीं।"

- महात्मा गाँधी

जहाँ विश्व निरंतर संघर्षशील, प्रतिस्पर्द्धी एवं गलाकाट प्रतियोगिता से भरा पड़ा है ऐसे में महात्मा गाँधी का उपर्युक्त कथन एवं उनकी संपूर्ण शिक्षा अत्यंत प्रासंगिक हो उठी है। आज विश्व 'ग्लोबल विलेज' बनता जा रहा है किंतु दूसरी ओर आर्थिक विषमता, शक्ति संघर्ष, नव उपनिवेशवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता जैसी अनेक समस्याएँ भी उभर कर सामने आई हैं। क्या


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

गांधी की शिक्षा एवं विचारधारा कोई समाधान प्रस्तुत करती है ?

गाँधी का सर्वोदय, अहिंसा, सत्याग्रह, ट्रस्टीशिप सिद्धांत एवं हृदय परिवर्तन जैसे विचार आज पुनः परिभाषित हो रहे हैं। यहाँ विचार करने योग्य है कि गांधी के ये शाश्वत मूल्य आज भी उतने ही प्रासंगिक है भले ही आज विश्व पहले जैसा नहीं रहा है।

वैश्वीकरण एवं पूंजीवाद के इस दौर में गरीबी की समस्या सुरसा के समान मुँह बाये खड़ी है किंतु कोई हनुमान गदा लेकर आता नहीं दिख रहा है सिवाय गाँधी के सिद्धांतों के। यह सत्य है कि पूँजीवाद ने आर्थिक प्रगति के नये आयाम छुये है एवं भौतिक सुविधाओं की प्राप्ति हुई है किंतु अभी



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भी एक वर्ग संपूर्ण विश्व में गरीबी में जीवन जी रहा है। गांधी का सर्वोदय का सिद्धांत जिसके अंतर्गत आखिरी व्यक्ति का उदय किया जाना जरूरी है, गरीबी में कमी ला सकता है।

वस्तुतः सर्वोदय का सिद्धांत कहता है कि ऐसी नीतियाँ बनाई जायें जिससे कतार में खड़े आखिरी व्यक्ति को लाभ हो। लोक कल्याणकारी राज्य इसी सिद्धांत का पालन कर गरीबी उन्मूलन का प्रयास कर रहे हैं जिसमें उन्हें अपेक्षित सफलता भी मिली है।

गरीबी का ही एक अन्य पहलू बढ़ती हुई आर्थिक विषमता है, विभिन्न रिपोर्टों में यह बात सामने आ चुकी है कि संसाधनों का बँटवारा


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।
(Candidate must n write on this marg

समान नहीं है, बल्कि अमीरों के पक्ष में झुका हुआ है। गांधी ने ट्रस्टीशिप सिद्धांत दिया था जिसके अनुसार उद्योगपतियों को स्वयं को संपत्ति का मालिक नहीं बल्कि संरक्षक समझना चाहिए एवं उसे सामाजिक कल्याण एवं वंचितों पर खर्च करना चाहिये।

यदि आज यह सिद्धांत लागू किया जाये तो अधिकांश समस्याएँ कम हो जायेंगी। विश्व में बिल गेट्स जैसे उद्योगपति एवं भारत में सीएसआर (कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) के माध्यम से इसी दिशा में प्रयास किया जाता है।

गाँव भारतीय अर्थव्यवस्था के केंद्र हैं किंतु आज कठिन स्थिति से गुजर रहे हैं। गांधी अराजकतावादी



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

थे एवं उनका मानना था कि राज्य का हस्तक्षेप न्यूनतम होना चाहिये। इन्हीं के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुये भारत में पंचायती राज व्यवस्था को अपनाया गया है। यदि ग्राम पंचायतों को अधिक शक्ति एवं स्वायत्ता दी जाती है तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार आने की संभावना है।

गांधी ने छुआछूत का विरोध किया एवं दलित समाज को 'हरिजन' कहा ताकि शोषण एवं अस्पृश्यता को कम किया जा सके। उनका मानना था कि किसी व्यक्ति के हृदय परिवर्तन के माध्यम से ऐसी समस्याएँ दूर की जानी चाहिये। हृदय परिवर्तन से व्यक्ति के मूल्यों में परिवर्तन होता है जो अधिक स्थायी एवं लंबे



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख[ना] चाहिये।
(Candidate must n[ot] write on this margi[n])

समय तक रहता है, इसके विपरीत कानून का प्रभाव मूल्यों के स्तर तक नहीं होता फलत: सकारात्मक परिवर्तन कम होता है।

गांधी ने सकारात्मक मूल्यों के लिये शिक्षा के सुदृढ़ीकरण पर बल दिया। वर्तमान में व्याप्त नृजातीयता, जातिवाद, नस्लीय भेदभाव को हृदय परिवर्तन के माध्यम से ही कम किया जा सकता है।

सांप्रदायिकता हमारे समाज में ज्वलंत समस्या बनी हुई है, लोग एक धर्म के प्रति कट्टर भाव रखकर दूसरे धर्म के प्रति असहिष्णु होते जा रहे हैं फलत: हिंसा, दंगे जैसी घटनाएँ आम बात हैं। इसका मूल कारण धर्म में नैतिकता का



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अभाव है।

गांधी का मानना था," बुद्धि के द्वारा प्रेरित नैतिकता अस्थायी होती है जो भय एवं लालच से बदल सकती है किंतु धर्म द्वारा प्रेरित नैतिकता मूल्य एवं संस्कारों के स्तर पर जाती है जो स्थायी है।" स्पष्ट है यदि धर्म में नैतिकता का पाठ पढ़ाया जाये तो वह अन्य धर्मों के प्रति सहिष्णु एवं सद्भाव - -युक्त रहेगा फलत: सांप्रदायिकता की संभावना शून्य होगी।

धर्म द्वारा प्रेरित आतंकवाद एवं अन्य कारणों से उत्पन्न उग्रवाद से अनेक देश प्रभावित हैं। हिंसा के द्वारा अनेक लोग मारे जाते हैं एवं ऐसे देशों में विकास भी प्रभावित होता है फलत: गरीबी का दुष्चक्र



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

शुरू हो जाता है।

गांधी का अहिंसा का सिद्धांत एक शाश्वत मूल्य है जिसे सभी देशों में बुनियादी शिक्षा के रूप में पढ़ाया जाना चाहिए। उनका कहना था, अहिंसा कायरों का काम नहीं वरन् इसके लिये तीव्र मानसिक ऊर्जा की जरूरत होती है। स्पष्ट है कि अहिंसा से आतंकवाद एवं उग्रवाद को प्रभावी तौर पर कम किया जा सकता है।

संपूर्ण विश्व के समक्ष आज सांस्कृतिक आक्रमण का भी खतरा है जहाँ कुछ संस्कृतियाँ अन्य संस्कृतियों पर हावी हो रही हैं फलस्वरूप सांस्कृतिक अलगाव भी देखे जा रहे हैं। इसे 'आधुनिकता बनाम परंपरा' का संघर्ष भी कहा जा सकता है। दूसरे शब्दों में इसे


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

बौद्धिक उपनिवेशवाद भी कहते हैं, जैसे भारत के समक्ष पाश्चिमी संस्कृति का संकट या पाश्चिमीकरण एवं आधुनिकी-करण के बीच विवाद।

गांधी ने कहा था, 'अपने दरवाजे बंद रखो ताकि बाहर की अनावश्यक चीज घर में न आ पाये किंतु अपनी खिड़कियां खुली रखो ताकि स्वच्छ हवा का प्रवेश हो सके।' वस्तुतः गांधी पाश्चिमी एवं भारतीय संस्कृति में समन्वय की बात कर रहे थे जो आज की नितांत आवश्यकता है।

इसके अलावा निरंतर बढ़ते शक्ति संघर्ष, विभिन्न देशों के बीच महाशक्तियों का संघर्ष अंतर्राष्ट्रीय पटल पर बड़ी समस्या है। वस्तुतः गांधी इस मामले में आदर्शवादी थे किंतु

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उनका मानना था कि सभी देशों को अपने राष्ट्रहित को पहले ध्यान में रखते हुये विश्वहित की बात करनी चाहिये। किंतु राष्ट्रहित इतने भयानक न हो कि दूसरे राष्ट्रों के हितों की अनदेखी होने लगे।

वस्तुतः उनका मानना था कि सभी राष्ट्रों को एक-दूसरे की संप्रभुता का सम्मान करते हुये स्वयं का विकास करना चाहिये।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि गांधी के मूल्य एवं शिक्षाएँ जैसे अहिंसा, सत्य, सर्वोदय, हृदय परिवर्तन आदि कालजयी एवं शाश्वत मूल्य हैं। यदि इनका पालन किया जाये तो प्रत्येक व्यक्ति का व्यक्तिगत स्तर पर, देशों का राष्ट्रीय स्तर पर



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

एवं विश्व का वैश्विक स्तर पर कल्याण होगा। उन्हीं के शब्दों में -

" मेरे पास विश्व को देने के लिये कोई नयी बात नहीं है, सत्य एवं अहिंसा आदि काल से ही शाश्वत मूल्य हैं। "


Copyright – Drishti The Vision Foundation